

खबर संक्षेप

584 वाहनों का चालान 5 वाहन किए इम्पाउंड
हिंसार। सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जिला पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। अभियान के दौरान विभिन्न यातायात नियमों की अवहेलना करने पर कुल 584 वाहनों के चालान किए गए, जबकि गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर पांच वाहनों को इम्पाउंड किया गया। यह कार्रवाई बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट का प्रयोग न करने, ओवरलोडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाने, खतरनाक ड्राइविंग, बिना वैध दस्तावेज वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर की गई।

अवैध हथियारों के साथ दो युवक गिरफ्तार
हिंसार। सीआइए टीम ने अलग-अलग मामलों में अवैध हथियारों सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे दो अवैध पिस्तौल व तीन कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान सैनियान मोहल्ला निवासी भव्य व महाबीर कॉलोनी निवासी गगन उर्फ आदि के रूप में हुई है। सीआइए प्रभारी पीएसआई करण सिंह ने बताया कि उनकी टीम के एएसआई प्रहलाद सिंह मोहल्ला डोगरान पुलिस चौकी क्षेत्र में सब्जी मंडी पुल के नीचे से एक युवक को शक के आधार पर काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।उनकी दूसरी टीम के एएसआई सुरेन्द्र सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ घोड़ा फार्म एरिया में गश्त पर थे। इस दौरान घोड़ा फार्म के पास से एक युवक को शक के आधार पर काबू करके तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपियों पर संबंधित पुलिस थानों में केस दर्ज कर लिए गए हैं।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार, मेजा जेल
हिंसार। सदर पुलिस ने मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी दाहिमा निवासी राजेश को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में दाहिमा निवासी सुशील कुमार ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार 17 जून को गांव दाहिमा स्थित पुराने हनुमान मंदिर के पास कूड़ा-कचरा डालने की बात को लेकर उसका और आरोपी राजेश का विवाद हो गया। आरोपी है कि राजेश ने शिकायतकर्ता व उसके ताऊ के लड़के सुरेश के साथ गाली-गालीज की तथा हाथ में लिए पेंट के डिब्बे का पेंट उनके ऊपर फेंका। इसके बाद आरोपी ने नुकीले पेचकर से हमला कर दोनों को चोट पहुंचाई। घटना में एक अन्य आरोपी विकास ने भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। प्राप्त शिकायत, गवाहों के बयान एवं मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर सदर थाना में केस दर्ज करके जांच करते हुए मामले में सिलिप्ट आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

स्वच्छता नियम तोड़ने पर निगम ने कार्टे 4 चालान
हिंसार। शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान सीटीएल प्रदीप जाखड़ व तकनीकी एक्सपर्ट जसबीर कुण्डू ने ऋषि नगर और मलिक चौक पर दुकानदार के द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक व पॉलीथिन का प्रयोग करते हुए पाए जाने पर चार दुकानदारों के चालान किए। नगर निगम की टीम ने कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान के बारे में भी जागरूक किया।

जल आंदोलन: 6 नामजद और 500 अन्य पर केस दर्ज चानौत में अवैध टी कनेक्शन हटाया, विवाद बढ़ने के आसार

हरिभूमि न्यूज़▶▶हांसी

हांसी के चानौत गांव में पेयजल संकट को लेकर पिछले 39 दिनों से चल रहा आंदोलन अब प्रशासन और ग्रामीणों के बीच टकराव का बड़ा मुद्दा बन गया है। सोमवार देर रात जिला प्रशासन और पुलिस ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भाखड़ा पेयजल पाइपलाइन पर लगाए गए टी-कनेक्शन को हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने छह लोगों को नामजद कर 500 अन्य पर केस दर्ज किया है। इसके बाद विवाद और गहरा गया। प्रशासन का दावा है कि मुख्य जलापूर्ति लाइन पर लगाया गया यह टी-कनेक्शन पूरी अवैध था और शहर की पेयजल व्यवस्था को प्रभावित कर सकता था, इसलिए कानून के तहत इसे हटाना गया।

धरना कमेटी के सदस्य आरोप लगा रहे हैं कि यह कनेक्शन उच्च अधिकारियों की सहमति और ग्रामीणों को दिए गए आश्वासन के आधार पर लगाया गया था, जिसे हटकर सरकार ने वादाखिलाफी की है। इस बीच डीसी राहुल नरवाल और हिंसार रेंज के आईजी कुलदीप कुमार ने स्पष्ट किया है कि चानौत के लिए अलग समर्पित पेयजल लाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जा चुका है। इसके बावजूद ग्रामीण 26 जून से फिर आमरण अनशन की चेतावनी दे चुके हैं, जिससे विवाद के और बढ़ने की आशंका बनी हुई है।



युद्धस्तर पर चल रहा है लाइन बिछाने का काम

डीसी राहुल नरवाल ने कहा कि भाखड़ा नहर से हांसी शहर के लिए बिछाई जा रही जल आपूर्ति पाइपलाइन में अवैध रूप से टी-कनेक्शन किया गया था जो पूरी तरह गैरकानूनी है, जिसे जिला प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था की बनाए रखने को लेकर सभी नियमों की पालना करते हुए अवैध रूप से लगाई गई टी को हटवा कर कब्जे में लिया गया है। शहर की पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई जा रही इस मुख्य पाइपलाइन से किसी भी प्रकार का अवैध कनेक्शन करना कानून का उल्लंघन है और भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी राहुल नरवाल ने मंगलवार दोपहर उपायुक्त कैप कार्यालय में प्रकरों से बातचीत में कहा कि चानौत गांव के नागरिकों को हर हाल में पर्याप्त मात्रा में भाखड़ा नहर का स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके लिए राजली हेड से चानौत गांव तक नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जा चुका है। यह कार्य युद्धस्तर पर जारी है और आगामी लगभग तीन माह के भीतर गांव के प्रत्येक घर तक पर्याप्त स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डीसी ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

हिंसार रेंज के पुलिस महानिरीक्षक कुलदीप कुमार ने भी मंगलवार को एसपी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जल संकट से जुड़े मुद्दे और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर प्रशासन का पक्ष स्पष्ट किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है, लेकिन कानून हाथ में लेने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।



अलग समर्पित पाइपलाइन बिछाने का दिया है प्रस्ताव

आईजी ने बताया गया कि संबंधित गांव में लंबे समय से चल रही पेयजल समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने राजली हेड अथा खरखड़ी बांध से एक अलग एवं समर्पित पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव दिया है। अधिकारियों के अनुसार इस योजना के तहत उपलब्ध कराया जाने वाला स्वच्छ पेयजल गांव की वर्तमान आबादी की आवश्यकता से भी अधिक होगा। आईजी कुलदीप कुमार ने बताया कि हाल ही में कुछ लोगों द्वारा मुख्य जल पाइपलाइन में अवैध रूप से टी लगाकर कनेक्शन लेने का प्रयास किया गया था। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए देर रात कार्रवाई करते हुए इस अवैध निर्माण को हटवा दिया। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक एवं शरारती तत्वों ने ग्रामीणों को गुमराह कर अवैध गतिविधियों के लिए उकसाने का कार्य किया है, जिसकी गहन जांच की जा रही है।

ठेकेदारी में ₹35 लाख का घाटा होने पर गोली मार की खुदकुशी

■ कृष्णा नगर में वारदात, बीएंडआर विभाग में करता था ठेकेदारी

हिंसार। ठेकेदारी में हुए नुकसान की परेशानी के चलते शहर के कृष्णा नगर में ठेकेदार ने मंगलवार की दोपहर को लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। लगभग 30 वर्षीय अमन शर्मा ठेकेदार का काम करता था। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन कमरे में पहुंचे, जहां युवक खून से लथपथ बेड पर पड़ा मिला। सूचना मिलने पर अर्बन एस्टेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मौके पर पहुंची पुलिस के अनुसार, अमन ने अपने कमरे में माथे पर गोली मारी थी। घटनास्थल से गोली का खोल भी बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया।

परिजनों ने बताया कि अमन पहले बीएंडआर विभाग में ठेकेदारी का काम करता था। कारोबार में करीब 35 लाख रुपए का नुकसान होने के बाद उसने ठेकेदारी छोड़ दी थी। इसके बाद वह अपने पिता के साथ दुकान पर काम करने लगा था। लगभग एक महीने पहले वह हिमाचल प्रदेश से अपनी लाइसेंसी 12 बोर बंदूक लाया था, जिसका लाइसेंस भी



हिंसार। मौके पर पहुंची पुलिस। हिमाचल प्रदेश से ही बना था। परिजनों के अनुसार अमन आमतौर पर सुबह जल्दी उठकर तैयार हो जाता था। हालांकि, मंगलवार को वह देर तक कमरे से बाहर नहीं आया। उसने अपने पिता अरुण शर्मा को अकेले ही दुकान पर भेज दिया। दोपहर 12 बजे बाद कमरे से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। परिजन तुरंत कमरे में पहुंचे और अमन को बेड पर पड़ा पाया। मृतक के पिता अरुण शर्मा ने बताया कि अमन ने परिवार को कभी किसी परेशानी या तनाव के बारे में नहीं बताया था। उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि अमन किसी अवसाद से गुजर रहा था। अमन परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी दो बहनें हैं। पुलिस के अनुसार मामले की सभी पहलुओं से गहन जांच की जा रही है।

पेट्रोल पंप का सेल्समैन ही निकला लूट का मास्टरमाइंड, चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़▶▶हांसी

पुलिस ने जींद रोड स्थित पेट्रोल पंप पर सोमवार अलसुबह हुई लूट की वारदात का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन भी शामिल है, जिसने साक्ष्यों में मिलकर वारदात की साजिश रची थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गई राशि में से 20 हजार रुपये व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। शेखपुरा चौकी और थाना सदर पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई। उप निरीक्षक जयसिंह ने बताया कि 22 जून को जींद जिले के जुलाना निवासी जितेंद्र की शिकायत पर थाना सदर हांसी में लूट का मामला दर्ज किया गया था।

जींद-हांसी रोड पर लूटी थी नकदी



ही अपने साक्ष्यों के साथ मिलकर लूट की पूरी योजना बनाई थी। दीपक ने अपने साक्ष्यों को पेट्रोल पंप पर मौजूद नकदी और वहां की परिस्थितियों की जानकारी उपलब्ध करवाई थी, जिसके आधार पर वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दीपक के अलावा दाणा कर्ता निवासी आशीष निवासी, अमन उर्फ मिथुन तथा खेड़ी गगन निवासी अमन उर्फ प्रिय को गिरफ्तार कर लूटी गई राशि में से 20 हजार रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

35 डॉक्टर नदारद, कारण बताओ नोटिस जारी

जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो होगी विभागीय कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज़▶▶हिंसार

महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल में सीएमओ के औचक निरीक्षण में 35 से ज्यादा डॉक्टरों के गायब पाए जाने का मामला सामने आया है। नदारद मिले चिकित्सकों से जवाब मांगा गया है और जवाब संतोषजनक न पाए जाने पर उन पर कार्रवाई संभावित है। बताया जा रहा है कि सीएमओ डॉ. सपना गहलावत ने गत दिनों नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उनके इस निरीक्षण ने पूरे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा दिया है। निरीक्षण के दौरान

बाडोपट्टी टोल पर आईडी मांगी तो शिफ्ट इंचार्ज को स्कॉर्पियो से कुचल दिया एक झटके में खत्म हो गया परिवार का सहारा

■ शुक्ला कई साल से टोल प्रबंधन से जुड़ी कंपनी में कर रहे थे काम

हरिभूमि न्यूज़▶▶हिंसार

बाडोपट्टी टोल प्लाजा पर 130 रुपये के टोल शुल्क को लेकर शुरू हुआ विवाद एक झटके में कुछ ही मिनटों में एक परिवार की जिंदगी में ऐसा अंधेरा छोड़ गया, जिसकी भरपाई शायद कभी नहीं हो सकेगी। टोल शिफ्ट इंचार्ज संजय शुक्ला की मौत केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं है, बल्कि एक परिवार के सहारे, एक बेटी के सपनों और एक पत्नी की उम्मीदों का अचानक टूट जाना है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी संजय शुक्ला पिछले कई वर्षों से टोल प्रबंधन से जुड़ी कंपनी में कार्यरत थे। परिवार के लोगों के अनुसार उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी मेहनत, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ नौकरी करते हुए बिताई। उनका अधिकांश समय घर से दूर ड्यूटी पर गुजरता था, लेकिन उनकी हर कोशिश परिवार को बेहतर जीवन देने की होती थी। अब वही परिवार अचानक गहरे संकट में खड़ा है।

टोल के लाइजिंग अधिकारी अमित कुमार का कहना है कि संजय शुक्ला की शिफ्ट खत्म हुई थी और तभी रूफेश मौर्या की शिफ्ट शुरू हुई थी। इसी दौरान विवाद होने पर स्कॉर्पियो सवार युवकों ने गाड़ी बैक कर संजय को कुचलकर मार डाला। पुलिस ने रूफेश मौर्या की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। घटना के बाद सामने आए वीडियो में कुछ युवक खुद को गांव बहबलपुर का निवासी बताते हुए टोल प्री निकलने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया है और एक आरोपी को राउंडअप किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।



परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे संजय शुक्ला

परिजनों का कहना है कि संजय शुक्ला परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। उनकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था और बेटी की पढ़ाई का सपना आगे बढ़ रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि वर्षों की मेहनत के बाद आने वाले समय में उनकी जिम्मेदारियां कुछ कम होंगी, लेकिन एक हिंसक घटना ने सारे सपनों को अधूरा छोड़ दिया। घटना के बाद अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की मोर्चुरी के बाहर मौजूद परिजनों की आंखों में केवल आंसू ही नहीं, बल्कि भविष्य की चिंता भी साफ दिखाई दे रही थी। परिवार के लोग बार-बार यही सवाल पूछ रहे थे कि आखिर एक मामूली विवाद इतनी बड़ी त्रासदी में कैसे बदल गया। उनका कहना है कि यदि समय रहते संयम बरता जाता तो आज संजय उनके बीच होते।

बेटी के भविष्य पर सवाल

संजय शुक्ला की मौत के बाद सबसे बड़ी चिंता उनकी बेटी के भविष्य को लेकर है। जिस पिता ने उसके बेहतर कल के लिए वर्षों तक मेहनत की, वह अब उसके साथ नहीं है। परिवार के सामने अब शिक्षा, पालन-पोषण और आर्थिक स्थिरता की चुनौती खड़ी हो गई है।



नारनौद। राजपुरा के पास सड़क हादसे के बाद गड़बों में पलटी कार और इनसेट में मृतक सतबीर सिंह।

पेड़ से टकराकर गड़बों में पलटी कार

कार सड़क किनारे खड़े सफेद के पेड़ से जा टकराई और गड़बों में गिरकर पलट गई। गाड़ी में सवार हांसी निवासी 21 वर्षीय मोहित, 22 वर्षीय डीनो और महम निवासी 21 वर्षीय रितिक गाड़ी में फंस गए। गाड़ी के एयरबैग खुलने की वजह से उनकी जान बाल-बाल बच गई। हादसा इतना भयानक था कि इसकी आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। गाड़ी को पलटा देख ग्रामीन मौके पर पहुंचे और राहगीरों की मदद से गाड़ी में फंसे तीनों युवकों को बाहर निकाला और उपचार के लिए हांसी के अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे की सूचना मिलते ही नारनौद पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि सतबीर के भाई कुलदीप के बयान पर गाड़ी में सवार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे के वक्त पूजा करने मंदिर जा रहा था सतबीर

मृतक के भाई कुलदीप ने बताया कि सतबीर उर्फ बिल्लू हर रोज की तरह पूजा करने के लिए खेत में बने घर से गांव के मंदिर में जा रहा था। मृतक सतबीर तीन बेटों का पिता है और तीनों ही शादीशुदा हैं। मृतक सतबीर खेती बाड़ी का कार्य करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था और उसकी पत्नी की कुछ साल पहले ही मौत हो चुकी है।

सीएमओ ने किया नागरिक अस्पताल का निरीक्षण



अस्पताल से एक-दो नहीं, बल्कि पूरे 35 डॉक्टरों अपनी ड्यूटी से नदारद मिले। बताया जा रहा है कि जिले के नागरिक अस्पताल में कुल 65 डॉक्टर हैं। आधे से ज्यादा डॉक्टरों के गायब होने से विभाग में हड़कंप मच गया। इसके बाद सीएमओ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी लापरवाह डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है।

सीएमओ ने निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर जनरल को भेज दी है।

विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी गैर-हाजिर डॉक्टरों को नोटिस थमाकर दो दिन के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। अगर डॉक्टरों का जवाब संतोषजनक नहीं मिला, तो उनके खिलाफ गंभीर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रा है कि एक सूचना के बाद जैसे ही सीएमओ औचक निरीक्षण के लिए पहुंची तो, अस्पताल स्टाफ के हाथ-पांव फूल गए। एक के बाद एक कई ओपीडी और वार्डों से डॉक्टर नदारद मिले।





बॉर्डर 3 में दिखाई जाएगी जनरल हरबख्श सिंह की कहानी...

नई दिल्ली। बॉर्डर 2 की जबरदस्त सक्सेस के बाद अब निधि दत्ता ने जेपी फिल्मस के बैनर तले कुछ और फिल्में बनाने का फैसला लिया है। निधि एक या दो नहीं पांच फिल्में बनाने के मूड में हैं। इनमें से सबसे ज्यादा चर्चा में है बॉर्डर 3। बताया जा रहा है कि ये फिल्म एक वॉर बायोपिक होगी। असल में यह जनरल हरबख्श

सिंह की बायोपिक होगी। बॉर्डर 3 के अलावा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक एयर फोर्स ड्रामा फिल्म, माइथोलॉजी और भारतीय इतिहास पर आधारित एक ट्रेजर हंट फिल्म और इनके अलावा लीजेंडी फिल्म मेकर ओपी दत्ता (जेपी दत्ता के पिता) की जिंदगी पर एक लंबी सीरीज बनाने की प्लानिंग है।

लाइफ Style

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बड़ी अपलब्धि हासिल की है। वह साउथ कोरियन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने वाली हैं। 23 साल की यह स्टार आने वाली रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा 'जेजू ओले' में लीड रोल निभाएंगी, जो भारत और साउथ कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग है।

अनुष्का

कोरियन फिल्म में निभाएंगी लीड रोल

एजेंसी ►► मुंबई

फिल्म में अनुष्का ने अलीशा का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन को खोने के दुख से उबरने की कोशिश करते हुए साउथ कोरिया के खूबसूरत जेजू आइलैंड पर पहुंचती है। जब वह अपनी भावनाओं को समझने और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश करती है, तो उसका सिंगर-सॉनग्राइटर सुनव् (जिसे कोरियन एक्टर कांग ह्युंग-सेओक ने निभाया है) के साथ एक रिश्ता बन जाता है। फिल्म की कहानी जेजू आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर आधारित है। हाल ही में, अनुष्का ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' से फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, साउथ कोरिया के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और एक नई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की। इस प्रोजेक्ट के महत्व पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि 'जेजू ओले' का महत्व इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। अनुष्का ने बताया कि उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान के-ड्रामा देखना शुरू किया था। समय के साथ, उन्हें कोरियन कहानी कहने के अंदाज से प्यार हो गया और अक्सर वह ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का सपना देखती थीं।



हॉलीवुड मसाला

डॉक्टर डूम के रूप में आएंगे नजर

लॉस एंजिल्स। एमसीयू की आने वाली फिल्म 'अवेजर्स ड्यूसडे' का दशकों के बीच उत्साह है। यह फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी। इसमें हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी डॉक्टर डूम के रूप में नजर आएंगे। हाल ही में टॉम हॉलैंड ने खुलासा किया कि उन्हें मार्वल के इस सौक्रेट का पहले ही पता चल गया था। टॉम के मुताबिक, मार्वल द्वारा डॉक्टर डूम के रूप में मार्वल यूनिवर्स में डाउनी की वापसी की घोषणा करने से पहले रॉबर्ट डाउनी जुनियर ने निजी रूप से उन्हें फोन किया था।



एमसीयू में सिर्फ एक को पता है, पीटर कौन है?

लॉस एंजिल्स। 'स्पाइडर-मैन: बांड न्यू डे' की रिलीज से ठीक एक महीने पहले टॉम हॉलैंड ने एक मजेदार हिट दिया है। पिछली फिल्म 'नो वे होम' के आखिर में हमने देखा था कि डॉक्टर स्ट्रेज के जादू से दुनिया यह भूल चुकी है कि पीटर पार्कर ही स्पाइडर-मैन है। लेकिन, अब टॉम ने बातों-बातों में खुलासा किया है कि एमसीयू में एक ऐसा है, जिसे यह सच पता है। 'स्पाइडर-मैन: बांड न्यू डे' 30 जुलाई को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां 'नो वे होम' की खत्म हुई थी। बिलकुप बात यह है कि रिलीज से ठीक पहले पीटर पार्कर यानी एक्टर टॉम हॉलैंड ने एक मजेदार हिट दिया है। उन्होंने खुलासा किया है कि एमसीयू में सिर्फ एक ऐसा किरदार है, जिसे पता है कि पीटर पार्कर ही स्पाइडर-मैन है। स्पाइडर-मैन फैंस इसकी यह चौथी है, जबकि 'एवेजर्स: ड्यूसडे' से पहले यह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की कहानी को नया मोड़ देगी।



बहुत घबराहत हो रही थी फिर सबने की मदद

मुंबई। बोलो ता रा रा, तुनक तुनक तुन, ना ना नारे और हो जाएगी बल्ले-बल्ले जैसे गानों की सोगात देने वाले मशहूर सिंगर दलेर मेहंदी अब परदे पर एक्टिंग करते नजर आएंगे। फिल्म होगी 'वेलकम टू द जंगल'। इस मल्टीस्टार फिल्म में काम करके दलेर मेहंदी बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में उन्होंने अपना अनुभव शेयर करते हुए सितारों की तारीफ की। अपना अनुभव बताते हुए दलेर मेहंदी ने कहा कि उन्हें फिल्म की पूरी कास्ट से बहुत प्यार और सपोर्ट मिला। दलेर मेहंदी ने माना कि शुरू में उन्हें घबराहत हो रही थी। सब दोस्त हैं, लेकिन जब एक्टिंग की बारी आई तो बहुत घबराहत हो रही थी। मगर, सेट पर मौजूद अच्छे और दोस्ताना माहौल की वजह से उनकी घबराहत जल्द ही दूर हो गई। सिंगर ने कहा, 'अश्वय कुमार और सुनील शेट्टी बहुत अच्छे इंसान हैं।



वो 7 दिन के 43 साल पूरे होने पर मनाया जश्न

मुंबई। 1983 में आई सुपरहिट फिल्म 'वो 7 दिन' के 23 जून को पूरे 43 साल हो गए हैं। अनिल कपूर ने अपनी इस फिल्म की सफलता का जश्न मनाते हुए एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया है। अनिल कपूर ने बताया कि इसी फिल्म ने उन्हें हिंदी सिनेमा में असली पहचान दलाई। अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म के कई सीन का एक वीडियो शेयर किया है, जिसके बैकग्राउंड में फिल्म का मशहूर गाना 'प्यार किया नहीं जाता' बज रहा है। उन्होंने लिखा कि कुछ फिल्में हमेशा दिल के करीब रहती हैं और 'वो 7 दिन' उनके लिए हमेशा बेहद खास रहेगी। अनिल कपूर ने फिल्म के साथी कलाकारों और अपने परिवार का आभार जताया। नसीरुद्दीन शाह और पद्मिनी कोल्हापुरे के बारे में अनिल कपूर ने कहा कि वे इन दोनों कलाकारों के हमेशा आभारी रहेंगे।

टीवी मसाला



तारक मेहता के इन कलाकारों ने नहीं की शादी, 48-50 की उम्र में भी कुंवारे

नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा जितना पॉपुलर है, उसके किरदार भी उतने ही पॉपुलर हैं और दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। कई कलाकार तो ऐसे रहे, जो यह शो छोड़ चुके हैं, पर आज भी दर्शक उन्हें याद करते हैं। जेठालाल से लेकर दयाबेन, बबिता जी और पोपटलाल, समेत हर किरदार दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ चुका है। पोपटलाल तो ऐसा किरदार है, जिसकी लाख कोशिशों के बावजूद शादी नहीं हो पा रही है। तारक मेहता में पोपटलाल की शादी कवचाने के लिए न जाने कितने ही सीक्वेंस शुरू किए गए, पर अब तक वह कुंवारा ही है। हालांकि, उस किरदार को निभाने वाले एक्टर श्याम पाठक असल में शादीशुदा हैं और तीन बच्चों के बाप भी। लेकिन, यहां आपको 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के उन एक्टरों के बारे में बता रहे हैं, जो असल जिंदगी में कुंवारे हैं। किसी की उम्र 50 साल से अधिक है तो किसी की 48 साल है, पर अभी तक उनकी शादी नहीं हुई है। यानी कह सकते हैं कि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के ये कलाकार असल जिंदगी में 'पोपटलाल' हैं। 'मिस्टर अखेर' यानी तबजुन महाशब्दे 45 साल के हैं, पर अब तक कुंवारे हैं। असल जिंदगी में उनकी शादी नहीं हुई है। बबिता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता असल जिंदगी में कुंवारी हैं। वह 38 साल की हैं। शादी की लेकर मुनमुन दत्ता ने रणवीर अल्लाहबादिया के पोंडकास्ट में कहा था कि उन्हें प्यार पसंद है, पर शादी के पीछे नहीं भागती। वह सिंगल हैं और बच्चे नहीं हैं, तो इस वजह से खुद पर ध्यान दे पाती हैं। मुनमुन दत्ता ने कहा था कि शादी करीबी की उसका जीवन मर का सपना नहीं रहा, और बड़े होते हुए उन्होंने करीबी किसी आदर्श पति या परफेक्ट शादी के बारे में नहीं सोचा। साथ ही कहा था कि अगर शादी होगी है, तो वह अपने आप हो जाएगी। मिसेज अंजलि तारक मेहता का रोल निभाने वाली नेहा मेहता भी आज तक सिंगल और कुंवारी ही हैं। वह 48 साल की हो चुकी हैं, पर शादी नहीं हुई है।

‘मुझे लड़कियों का सिगरेट पीना पसंद नहीं’

नई दिल्ली। अंगूरी भाभी शिल्पा शिंदे ने फेमिनिज्म पर बात करते हुए कहा है कि उन्हें महिलाओं और लड़कियों का स्मोकिंग करना पसंद नहीं है, जिसे मॉडर्न होने से जोड़कर देखा जाता है। उन्होंने पहनावे पर भी बात की और कहा कि इंसान की सोच उसके कपड़ों पर निर्भर नहीं करती। उन्होंने खुद की रुढ़िवादी बताया। एक इंटरव्यू में शिल्पा शिंदे ने कहा कि कुछ निजी मान्यताओं को लेकर वह थोड़ा रुढ़िवादी हैं और उन्हें महिलाओं को स्मोकिंग करते हुए देखना अच्छा नहीं लगता, जिसे 'मॉडर्न' होने का नाम दिया जाता है। शिल्पा शिंदे ने कहा, 'असल में, मैं थोड़ी रुढ़िवादी हूँ। सच कहूँ तो, मुझे महिलाओं और लड़कियों का स्मोकिंग करना पसंद नहीं है। यह मेरी निजी राय है और इसीलिए मैं कहती हूँ कि इस मामले में मैं थोड़ी रुढ़िवादी हूँ।'

पांच साल बाद फिर डराने आ रहे इमरान, फिल्म 'रूह' की घोषणा

मुंबई। हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी



लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में

रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

इमरान हाशमी सीन का एक मोटाजा शेयर करते हुए, सनी देओल ने फिल्म को सफल बनाने का श्रेय धर्मेद को दिया है। वीडियो शेयर करते हुए सनी देओल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा 'पापा के भरोसे और राज की सहायता ने 'घायल' को मुमकिन बनाया। आपको प्यार ने इसे अमर बना दिया। इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट और हाथ जोड़ने वाले इमोजी भी लगाए। आपको बता दें कि

हैं। दर्शक हमेशा से मुझे इस तरह की फिल्मों से जोड़कर देखते आए हैं। मयंक जिस दुनिया को बना रहे हैं, वह बहुत दमदार, इमोशनल और सिनेमैटिक लगती है। 'रूह' के बारे में इसी बात ने मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित किया है। मैं सच में चाहता हूँ कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें।

घायल की 36वीं सालगिरह पर सनी हुए भावुक, पिता को किया याद...



कई निर्माताओं के इस फिल्म को सपोर्ट करने से मना करने के बाद धर्मेद ने खुद 'घायल' को प्रोड्यूस किया। सनी देओल पर उनका भरोसा काम आया और यह फिल्म एक्टर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई। फिल्म की लीड एक्ट्रेस मीनाक्षी शोषादि ने भी 'माहिया तेरी कसम' गाने को रीक्रेट करके इस फिल्म की 36वीं एनिवर्सरी मनाई। अपने डांस मूव्स

दिखाते हुए एक वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'आज घायल की 36वीं एनिवर्सरी है। एक ऐसी फिल्म जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। तीन दशक बाद जब मैं इंडियन सिनेमा से फिर से जुड़ रही हूँ, तो फिल्म के इस खूबसूरत रोमांटिक

77 साल बाद भी कल्ट सॉन्ग सुन कांपती है रूह

माइक से 25 फीट दूर खड़े होकर लता ने गाया था भूतिया गाना

बिना साउंड ट्रैक के गाया था हॉरर गाना

लता मंगेशकर की आवाज में गाए हम जिस कल्ट क्लासिक सॉन्ग का जिन्न हम अपने इस लेख में कर रहे हैं, वह साल 1949 में रिलीज हुई हॉरर फिल्म 'महल' का है, जिसमें अशोक कुमार और मधुबाला ने मुख्य किरदार निभाया था। इस फिल्म का एवरग्रीन हिट सॉन्ग 'आएगा आने वाला आएगा' उस दौर में बहुत बड़ा हिट हुआ था। महल के गाने ने एक गाने ने लता मंगेशकर को बॉलीवुड में वह मुकाम दिया था, जिसकी कल्पना भी सिंगर ने नहीं की थी। हालांकि, 'आएगा आने वाला आएगा' गाने में हॉरर फील लाने के लिए मेकर्स ने काफी जद्दोजहद की थी। उस समय पर तकनीकी उपकरण कम थे, जिसकी वजह से इस गाने को गाने के लिए लता मंगेशकर को कमाल अमरोही और खेमचंद प्रकाश ने खाली रूम में एकदम कोने में खड़ा किया था।

नई दिल्ली। स्वरकोकिला लता मंगेशकर ने हिंदी सिनेमा को कई यादगार गाने दिए हैं। उनकी आवाज में गाने सुनते ही दर्शकों धुन में खो जाते हैं। 36 से अधिक भाषाओं में गाने देने वाली लता मंगेशकर ने ऐसे तो अपने करियर में कई यादगार गाने गाए हैं, लेकिन 77 साल पहले उन्होंने एक ऐसा गीत गाया था, जिसे आज भी अकेले में सुनने में थोड़ा डर का एहसास होने लगेगा। जिस गाने के बारे में हम आपको बता रहे हैं, उसके बाद ही लता मंगेशकर को 'एक सभाई' का टैग मिला था।



9 लाख के बजट में बनी महल हुई थी सुपरहिट

लता मंगेशकर की आवाज में गाए इस गीत के बाद ही वह हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी सिंगर बनकर उभरीं। जहां लता मंगेशकर ने गाने को आवाज दी, तो वहीं दूसरी तरफ खेमचंद प्रकाश ने इसका म्यूजिक कंपोज किया। साल 1949 में रिलीज हुई 'महल' का बजट उस दौर में 9 लाख के आसपास था, लेकिन फिल्म को कमाई 1.45 करोड़ के आसपास हुई थी।

मृतों का फील लाने के लिए बिना टेविनक किया रिकॉर्ड

एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स चाहते थे कि जब यह गाना बजे तो ऐसा लगे कि कोई अदृश्य साया या भूत दूर से गाते हुए धीरे-धीरे पास आ रहा है। जिसके लिए लता मंगेशकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो में खाली जगह पर थीं और उनसे माइक तकरीबन 25 फीट दूर था। रिकॉर्डिंग स्टूडियो के बीचों-बीच एक माइक्रोफोन रखा गया था। जब लता मंगेशकर ने गाने 'खामोश है जमाना, चुपचाप हैं सितारे...' गाना शुरू किया तो दूर से उनकी आवाज आ रही थी, जो बेहद धीमे थी। वह माइक की तरफ धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थीं, जिससे यह लगे कि 'महल' में मौजूद साए कि आवाज 'हरि' के करीब आ रही है। इन्तेफाक से मुख्य मुखड़े 'आएगा आने वाला आएगा' लाइन आने तक वह माइक के बिल्कुल करीब पहुंच गई थी। मेकर्स ने जिस तरह से इस गाने की प्लानिंग की थी, ठीक सब चीजें उसी तरह से चली, जब 'महल' रिलीज हुई और यह गाना उस दौर में थिएटर्स में बजा तो लोगों को बेहद पसंद आया, लेकिन साथ ही काफी डर भी लगा।

